माननीय राज्यपाल का समापन संबोधन (01-07-2023)

दिन भर चले गहन विचार-विमर्श और गंभीर अभिव्यक्ति को सुनने के बाद मुझे बहुत खुशी हो रही है।

आज की बैठक में जो भी चर्चाएं हुई हैं, अगर ये सब व्यवहार में आएं तो सभी को विश्वास होगा कि असम में उच्च शिक्षा सुरक्षित हाथों में है। जब तक योजनाकार अधिकारिक योजनाएँ बनाते हैं, तब तक जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को अथक परिश्रम के साथ कार्य करना होगा। सभी हितधारकों को भी इसका लाभ सुनिश्चित करने के लिए तैयार रहना होगा।

एक क्षेत्र जिस पर उचित ध्यान देने की आवश्यकता है, वे हैं योग्य संकाय की संख्या एवं गुणवत्ता और शिक्षण एवं अनुसंधान दोनों मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा करना। द्विभाषी शिक्षण निर्देश, वैदिक-विज्ञान और गणित का परिचय, लोक-विद्या और आयुष को उचित महत्व मिलना चाहिए। पहुंच, समानता और समावेशिता को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

मल्टीडिसिप्लिनेरी एडुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (एमईआरयू) की उचित रूप से संकल्पना की जानी चाहिए तथा इसे व्यवहार में लाया जाना चाहिए।

मैं, सभी तकनीकी संस्थानों और विश्वविद्यालयों से अनुरोध करता हूँ कि वे मल्टीडिसिप्लिनेरी, लिबरेल आर्ट्स और होलिस्टिक एडुकेशन की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अपनी योजनाओं पर काम करें।

अभी कुछ दिन पहले ही NIRF की स्थापना की घोषणा की गई है। सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को प्रतिस्पर्धी वित्त पोषण प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित होना होगा। याद रखें उच्च शिक्षा के लिए कीमत चुकानी पड़ती है! इसके अलावा, आईआईटी और अन्य तकनीकी संस्थानों सहित सभी के लिए मान्यता का विचार पहले ही रखा जा चुका है। इसके लिए प्रक्रिया में भाग लेने के लिए तत्परता की आवश्यकता है। राधाकृष्णन समिति की सिफारिशें प्रचलन में हैं, जिन्हें जल्द ही स्वीकार कर लिया जाएगा। जैसा कि मैंने सुबह बताया था कि हमारे सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में एनईपी 2020 के सफल कार्यान्वयन के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को ठीक से समझना होगा।

मैं माननीय निदेशकों और कुलपतियों को देश की बेहतरी, विशेष रूप से असम राज्य के लिए आप सभी की सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद देता हूं।

जय हिन्द !